सीएसआईआर-सीरी में "चतुर्थ जनजातीय गौरव दिवस" का आयोजन

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय नेता भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाया गया। संस्थान में आयोजित "जनजातीय गौरव दिवस" के माध्यम से संस्थान के कार्मिकों एवं शोधार्थियों को इतिहास एवं संस्कृति में जनजातीय समुदाय के योगदान से अवगत करवाया गया। उन्हें अपनी विलक्षण सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरवान्वित महसूस करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ सुचंदन पाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

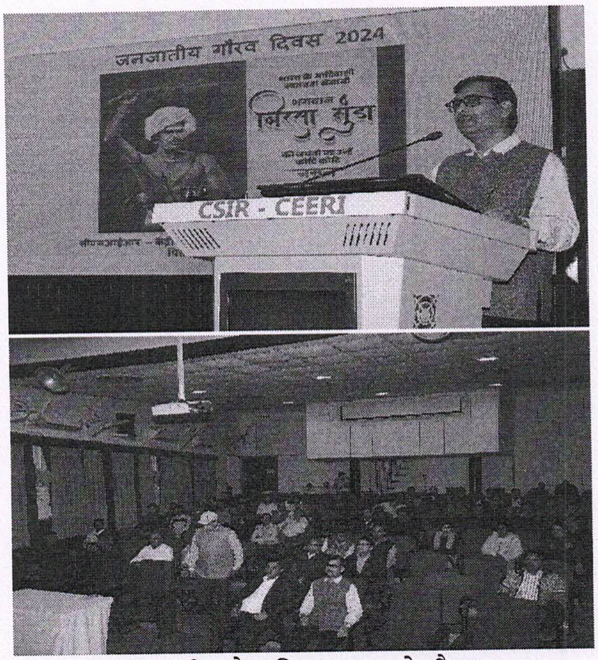

जनजातीय गौरव दिवस, 2024 के दौरान
डॉ सूचन्दन पाल, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी एवं
सहकर्मीवृंद

डॉ पाल ने कार्यक्रम के दौरान अपने उदबोद्धन में भगवान बिरसा मुंडा की जीवन यात्रा पर विस्तार से चर्चा की और उनके जीवन यात्रा को प्रेरणा स्रोत मानते हुए कठिनाइयों की चिंता किए बिना सत्य के प्रति अडिग विश्वास बनाए रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के राजभाषा अधिकारी श्री मणि भूषण सिंह ने अपने प्रभावी उद्बोधन के माध्यम से सबका ज्ञानवर्द्धन किया।

कार्यक्रम के अगले खंड में सभागार में उपस्थित कार्मिकों, अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के लिए भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन किया गया जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम में संस्थान के लगभग 60 कार्मिकों, वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

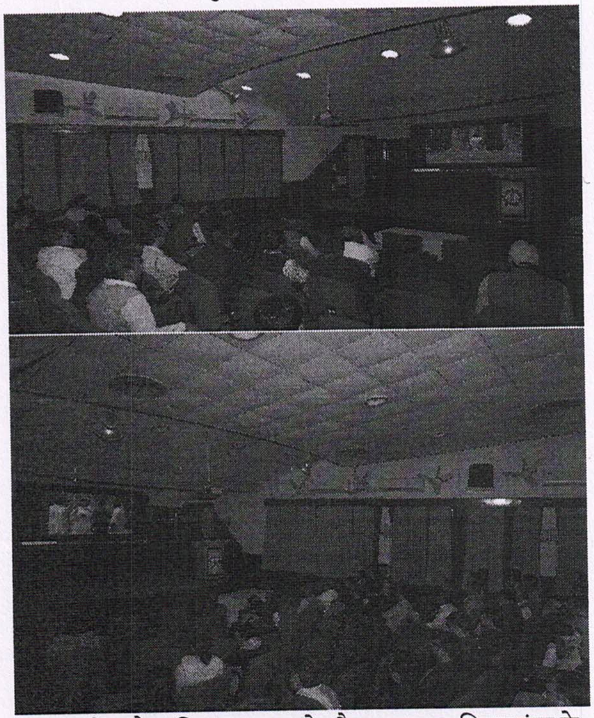

जनजातीय गौरव दिवस, 2024 के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन एवं फिल्म का लाभ उठाते हुए सहकर्मीवृंद

कार्यक्रम के एक महत्वपूर्ण खंड के रूप में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ सुचंदन पाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक

द्वारा "भारत सरकार की जानजातीय कल्याण योजनाएं" विषय पर विस्तृत व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री शरण ने भारत के प्रधानमंत्री के "विकसित भारत" के स्वप्न को साकार करने के लिए किए जा रहे अनेक कार्यों एवं परियोजनाओं के साथ ही जनजातीय जीवन के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक उत्थान हेतु किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत रूप से चर्चा की और सभागार में उपस्थित सहभागियों का ज्ञानवर्द्धन किया।
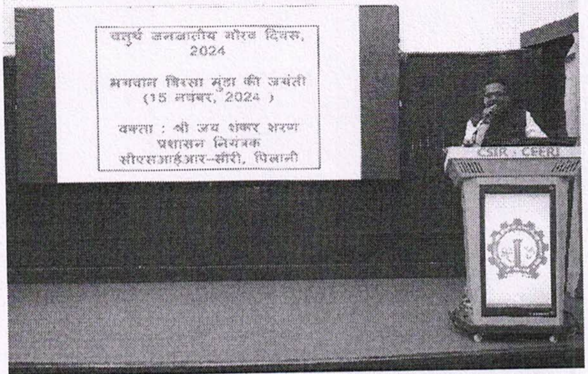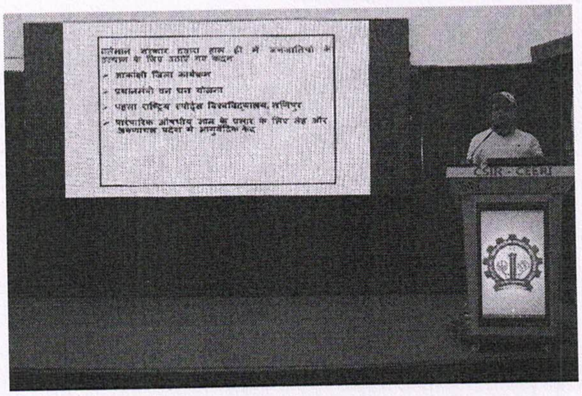
कार्यक्रम के कुछ अन्य चित्र